Media Coverage – August 2023

Publication	Navbharat	Date	25/08/2023
Edition	Bhopal	Page No	11

एमआईसीई टूरिज्म की अपार संभावनाए हैं राजस्थान में : डॉ . रश्मि शर्मा

कन्वेंशन व एग्जिबिशन्स के लिए एमआईसीई सेंटर्स स्थापित किए जाने की घोषणा की

गहलोत द्वारा की गई यह घोषणा एमआईसीई टूरिज्म को महत्व को दर्शाती है

जयपुर, 24 अगस्त. पर्यटन क्षेत्र में एमआईसीई (मीटिंग इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस, एग्जिबिशन) टूरिज्म अपार संभावनाओं से भरा है. राजस्थान में इन दिनों एमअआईसीई टूरिज्म तेज गति से बढ़ रहा है . पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ.रश्मि शर्मा के अनुसार एमअआईसीई टूरिज्म, पर्यटन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण घटक है.

देशभर में वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके जयपुर, उदयपुर, व अजमेर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन व एग्जिबिशन्स के लिए एमआईसीई सेंटर्स स्थापित किए जाने की घोषणा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अपने बजट-2023-24 के भाषण के दौरान की गई. मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा की गई यह घोषणा एमआईसीई टूरिज्म को महत्व को दर्शाती है. इन घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने का काम भी शुरू हो चुका है . इन एमआईसीई सेंटर्स स्थापित करने में 100-100 करोड़ रुपए की लागत आएगी . यह सेंटर्स पर्यटन क्षेत्र में राजस्थान के लिए एक और मील का पत्थर साबित होंगे . यही नहीं पर्यटन क्षेत्र में सिरमौर बनने की प्रतिबद्धता दर्शाते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसी बजट भाषण के दौरान राज्य में पर्यटन सुविधाएं विकसित करने व पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं अधिक से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए गठित पर्यटन विकास कोष का बजट 1500 करोड़ रुपए कर दिया, जो पूर्व में 1000 करोड़ रुपए था.

डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि एमआईसीई टूरिज्म के लिए राजस्थान पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों और टूअर व ट्रेवल ऑपरेटर्स की पहली पसंद बनता जा रहा है अप्रेल माह में यहां पर ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार-12 का आयोजन किया गया, जिसके तहत 56 देशों के 283 टूअर ऑपरेटर्स ने भाग लिया. जुलाई महीने में यहां पर राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) का भी आयोजन किया गया जिसमें 200 सेलर्स और इतने ही बायर्स शामिल थे. तीन महीने के भीतर जयपुर में आयोजित दो बड़े आयोजनों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान एमआईसीई टूरिज्म सैक्टर में भी अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है .

राजस्थान पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा के अनुसार राजस्थान में जयपुर, जोधपुर और उदयपुर सहित अजमेर,पुष्कर, भरतपुर,अलवर, जैसलमेर, बीकानेर सहित प्रदेश का शेखावाटी इलाका, कोटा, बूंदी, माउन्ट आबू , चित्तौडगढ़ समेत सवाईमाधोपुर और धौलपुर भी एमआईसीई टूरिज्म का हिस्सा बन चुके हैं क्योंकि राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा एमआईसीई टूरिज्म के लिए आधारभूत बुनियादी प्रभावी ढांचा तैयार कर दिया गया है . परिवहन, इंटरनेट, मीटिंग हॉल, भोजन, के साथ ही पर्यटन प्रतिनिधि अपनी पसंद के अनुसार अपनी पर्यटन यात्राएं भी यहां कर सकते हैं.

Publication	Dainik Jagran	Date	25/08/2023
Edition	Rewa	Page No	9

राजस्थान में एमआईसीई टूरिज्म की अपार संभावनाएं डॉ. रश्मि शर्मा

[illegible]

Publication	Punjab Kesari	Date	18/09/2023
Edition	All Rajasthan	Page No	11

मंडेझरोखा

पंजाब केसरी

जयपुर • सोमवार • 18 सितंबर, 2023

राजस्थान में MICE टूरिज्म की अपार संभावना

आधारभूत बुनियादी ढांचा तैयार हुआ

प्रदेश के किस शहर में एमआईसीई टूरिज्म केंद्र

जयपुर

जोधपुर

उदयपुर

जैसलमेर

शेखावाटी व बीकानेर

अजमेर व पुष्कर

भरतपुर व अलवर

कोटा व बूंदी

माउंट आबू व चित्तौड़गढ़

सवाईमाधोपुर व धौलपुर

Publication	Univarta	Date	24/08/2023
News Link	http://www.univarta.com/news/rajsthan/story/3037204.html#google_vignette		

Posted at: Aug 24 2023 5:45PM

राजस्थान में एमआईसीई टूरिज्म की अपार संभावनाए-रश्मि

जयपुर, 24 अगस्त (वार्ता) राजस्थान में इन दिनों मीटिंग इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस, एग्जिबिशन (एमआईसीई) पर्यटन तेज गति से बढ़ रहा है और इसकी प्रदेश में अपार संभावनाए हैं।

पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ.रश्मि शर्मा के अनुसार एमआईसीई टूरिज्म पर्यटन क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण घटक है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने बजट- 2023-24 के भाषण में देशभर में वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुके जयपुर, उदयपुर एवं अजमेर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन एवं प्रदर्शनियों के लिए एमआईसीई सेंटर्स स्थापित किए जाने की घोषणा भी की थी।

इस घोषणा को अमलीजामा पहनाने का काम भी शुरू हो चुका है । एमआईसीई सेंटर्स स्थापित करने में 100-100 करोड़ रुपए की लागत आएगी । यह सेंटर्स पर्यटन क्षेत्र में राजस्थान के लिए एक और मील का पत्थर साबित होंगे । यही नहीं पर्यटन क्षेत्र में सिरमौर बनने की प्रतिबद्धता दर्शाते हुए मुख्यमंत्री ने इसी बजट भाषण के दौरान राज्य में पर्यटन सुविधाएं विकसित करने एवं पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं अधिक से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए गठित पर्यटन विकास कोष का बजट 1500 करोड़ रुपए कर दिया जो पूर्व में 1000 करोड़ रुपए था ।

डॉ. शर्मा ने कहा कि एमआईसीई टूरिज्म के लिए राजस्थान पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों और टूर एवं ट्रेवल ऑपरेटर्स की पहली पसंद बनता जा रहा है। गत अप्रैल में यहां पर ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार-12 का आयोजन किया गया, जिसके तहत 56 देशों के 283 टूर ऑपरेटर्स ने भाग लिया। जुलाई में यहां पर राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) का भी आयोजन किया गया जिसमें 200 सेलर्स और इतने ही बायर्स शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि राजस्थान में जयपुर, जोधपुर और उदयपुर सहित अजमेर,पुष्कर, भरतपुर, अलवर, जैसलमेर, बीकानेर सहित प्रदेश का शेखावाटी इलाका, कोटा, बूंदी, माउन्ट आबू , चित्तौडगढ़ समेत सवाईमाधोपुर और धौलपुर भी एमआईसीई टूरिज्म का हिस्सा बन चुके हैं क्योंकि राजस्थान पर्यटन विभाग द्वारा एमआईसीई टूरिज्म के लिए आधारभूत बुनियादी प्रभावी ढ़ांचा तैयार कर दिया गया है । परिवहन, इंटरनेट, मीटिंग हॉल, भोजन के साथ ही पर्यटन प्रतिनिधि अपनी पसंद के अनुसार अपनी पर्यटन यात्राएं भी यहां कर सकते हैं। कुल मिलाकर राजस्थान में एमआईसीई टूरिज्म, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय पर्यटन प्रतिनिधियों के लिए एक पूर्ण पर्यटन पैकेज उपलब्ध करवाता है क्योंकि राजस्थान पर्यटन क्षेत्र काफी विविधता लिए हुए है।

डॉ. शर्मा के अनुसार राजस्थान में पर्यटन के सभी आवश्यक तत्व जैसे कि आयकोनिक स्मारक , हैरिटेज क्षेत्र, विशेष हैरिटेज गांव , शिल्पग्राम, अनुभावात्मक पर्यटन, मरूस्थलीय पर्यटन, वाइलल्डलाइफ व ईकोटूरिज्म, ट्राइबल टूरिज्म, कल्चरल टूरिज्म, क्राफ्ट व कूजिन पर्यटन, वीकएण्ड गेटवे टूरिज्म, धार्मिक टूरिज्म, वैडिंग टूरिज्म, वैलनैस टूरिज्म, (मेडीकल टूरिज्म), ग्रामीण टूरिज्म व फिल्म टूरिज्म आदि। पर्यटन के यह सभी आवश्यक तत्व राजस्थान को एमआईसीई टूरिज्म के लिए पहली पसंद बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में एमआईसीई टूरिज्म के द्वार इसलिए भी खुले हैं क्योंकि राजस्थान अपने विशिष्ट आतिथ्य सत्कार के लिए विशेष तौर से प्रसिद्ध है। यहां पर देश के 75 प्रतिशत हैरिटेज होटल हैं। जो कि प्रदेश में एमआईसीई टूरिज्म फलने-फूलने में काफी मदद कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में पर्ययकों के लिए काफी सुविधाएं हैं। एमआईसीई सेंटर्स हवाई, सड़क और रेल परिवहन से जुड़े हैं। यहां पर प्रशिक्षित गाइड हैं, हिन्दी, अंग्रेजी व अन्य भाषाओं के अनुवादक भी यहां पर मौजूद हैं।

जोरा

वार्ता

UNI Photo

NEW DELHI, MAR 20 (UNI):- Prime Minister Narendra Modi visiting stalls at Startup Mahakumbh 2024, in New Delhi on Wednesday.UNI PHOTO-41u

Other Links

UNI (News Agency)
Indian News Agency

UNI-Urdu Service (News Agency)
Indian News Agency

UNI Mail

Newswrap

Newswrap1

Publication	Travel Biz Monitor	Date	29/08/2023
News Link	https://travelbizmonitor.com/mice-centre-in-jodhpur-likely-to-give-tourism-a-boost-in-rajasthan/		

DOMESTIC MICE TOP STORIES

MICE centre in Jodhpur likely to give tourism a boost in Rajasthan

TBM STAFF - MUMBAI Tuesday, 29 August 2023, 3:15 PM 223 2 minute read

The Chief Minister of Rajasthan Ashok Gehlot has approved an initial amount of approximately INR 25 crore to set up a MICE (Meeting Incentive Conference and Exhibition) centre in Jodhpur, which is becoming popular for hosting national and international events. A tourism department official said the MICE centre would be built on 5,650 square metres on the premises of the Women Polytechnic College, for which the Jodhpur Development Authority has allotted 65,000 sq mt. During the first phase, facilities such as an exhibition hall, registration and information centre, administration block, VIP lounge, meeting space for trade and business, and a parking area will be constructed, the official added.

MICE tourism, rapidly expanding in Rajasthan, offers numerous opportunities in the tourism industry. In his 2023–24 Budget, Gehlot announced the development of MICE centres for international level conventions and exhibitions in the popular tourism hotspots of Jaipur, Jodhpur, Udaipur, and Ajmer. Each of these centres will cost approximately INR 100 crore.

To boost tourism, the budget of the Tourism Development Fund was increased from around INR 1,000 crore to INR 1,500 crore this year. “Rajasthan is becoming one of the primary choices for MICE tourism operators,” the official said.

In April, the state hosted the 12th Great Indian Travel Bazaar, in which 283 tour operators from 56 different nations participated. A similar event, the Rajasthan Domestic Travel Mart (RDTM), was held this month, with participation from 200 sellers and an equal number of buyers. These events indicate that Rajasthan is well-prepared to become a leader in the MICE tourism sector as well.

Rajasthan possesses all the ingredients for a flourishing tourism sector, such as well-known tourist attractions, historical sites, distinctive heritage villages and Shilpgrams, experiential tourism, desert tourism, adventure tourism, wildlife and eco-tourism, tribal tourism, cultural tourism, craft and cuisine tourism, weekend getaway tourism, religious tourism, wedding tourism, wellness tourism (medical tourism), rural tourism, and film tourism, among others. (Source The Business Standard)

Tags : Ashok Centre Ghelot International Jodhpur MICE operators

Publication	Dainik Bhaskar	Date	31/08/2023
News Link	https://www.bhaskar.com/local/rajasthan/jaipur/news/13th-edition-of-great-indian-travel-bazaar-will-be-special-131768226.html?_branch_match_id=1174751745182188961&utm_campaign=131768226&utm_medium=sharing&_branch_referrer=H4sIAAAAAAAAA8soKSkottLXT0nMzMvM1k3Sy8zT9zBxTaqMiEzxdE4CAKoQANsfAAAA		

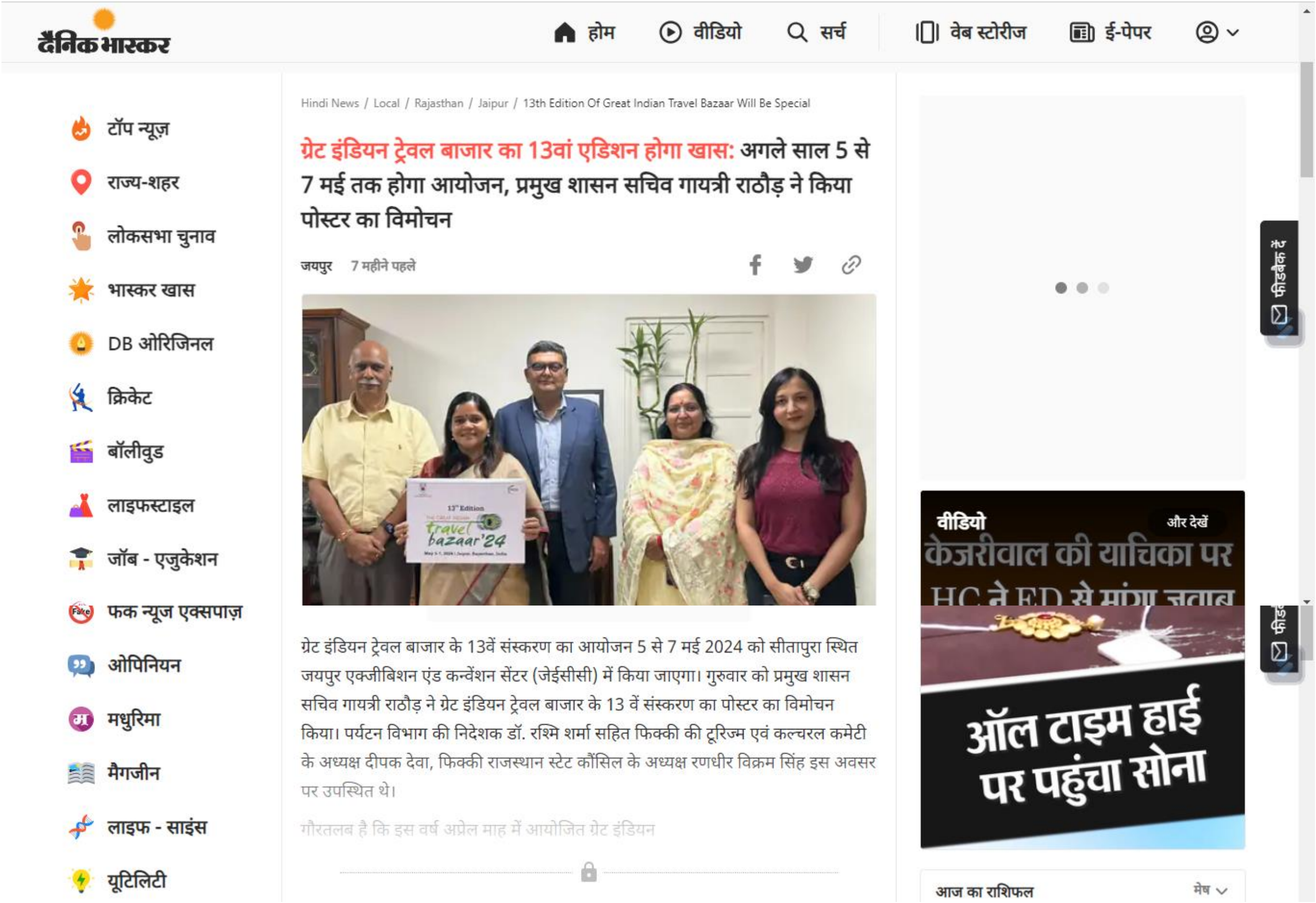

दैनिक भास्कर

होम वीडियो सर्च वेब स्टोरीज ई-पेपर

टॉप न्यूज़
राज्य-शहर
लोकसभा चुनाव
भास्कर खास
DB ओरिजिनल
क्रिकेट
बॉलीवुड
लाइफस्टाइल
जॉब - एजुकेशन
फक न्यूज एक्सपाज़
ओपिनियन
मधुरिमा
मैगजीन
लाइफ - साइंस
यूटिलिटी

Hindi News / Local / Rajasthan / Jaipur / 13th Edition Of Great Indian Travel Bazaar Will Be Special

ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार का 13वां एडिशन होगा खास: अगले साल 5 से 7 मई तक होगा आयोजन, प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर 7 महीने पहले

ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार के 13वें संस्करण का आयोजन 5 से 7 मई 2024 को सीतापुरा स्थित जयपुर एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में किया जाएगा। गुरुवार को प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार के 13 वें संस्करण का पोस्टर का विमोचन किया। पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा सहित फिक्की की टूरिज्म एवं कल्चरल कमेटी के अध्यक्ष दीपक देवा, फिक्की राजस्थान स्टेट कौंसिल के अध्यक्ष रणधीर विक्रम सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

गौरतलब है कि इस वर्ष अप्रेल माह में आयोजित ग्रेट इंडियन

वीडियो और देखें
केजरीवाल की याचिका पर HC ने ED से मांगा जवाब
ऑल टाइम हाई पर पहुंचा सोना
आज का राशिफल मेष
फीडबैक दें

Publication	Dainik Bhaskar	Date	21/08/2023
Channel	Jaipur	Page No	4

पर्व की वृद्धावस्था का समय... इसलिए बूढ़ी तीज नाम पड़ा

रजवाड़ी गहने पहन निकली बूढ़ी तीज की सवारी, लोक कलाकारों ने की अगवानी

सोशल रिपोर्टर | जयपुर

सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से रविवार को ठाट बाट से बूढ़ी (पुरानी अथवा वरिष्ठ) तीज की सवारी निकली। रजवाड़ी गहनों से सजी तीज माता जिस चांदी की 400 किलो वजनी पालकी में विराजमान हुईं, उसे आठ लोग उठाकर चले। जैसे ही माता की शाही सवारी बाहर आई, लोगों ने पलक पावड़े बिछाकर खूब स्वागत किया। माता के दर्शन कर पुष्प वर्षा की। घर की बुजुर्ग महिलाएं बच्चों को माता के दर्शन कराने के लिए साथ लाईं। इससे पूर्व सिटी पैलेस में पूर्व राजपरिवार की सदस्याओं ने जनानी ड्योढ़ी में तीज माता की पूजा की। यहां से तालकटोरे के लिए शाही सवारी रवाना हुई और त्रिपोलिया गेट पहुंची। सवारी निकलने से पहले कलाकारों ने अलग-अलग प्रस्तुतियां दी। एक कलाकार आमिर खान की फिल्म पीके के किरदार में पहुंचा।

पावणों के लिए बैठने की रही अलग व्यवस्था

सवारी में शामिल होने के लिए हजारों गुलाबीनगरवासियों के साथ ही देशी-विदेशी पर्यटक भी बड़ी संख्या में पहुंचे। पर्यटकों के बैठने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से त्रिपोलिया गेट के सामने हिंदू होटल की दुकानों के ऊपर बैठने की व्यवस्था की गई थी। यहां से विदेशी पावणों ने अपने कैमरों में रजवाड़ी तीज सवारी को कैद किया। त्रिपोलिया गेट से सवारी त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होते हुए चौगान स्टेडियम से तालकटोरा पहुंची। तालकटोरा की पाल पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया।

कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां : तीज माता की सवारी के आगे प्रसिद्ध कालबेलिया, गैर नृत्य, बहरूपिया, मशक वादन, कठपुतली नृत्य, कच्छी घोड़ी और अलग-अलग बैंड ग्रुप व अनेक लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी।

भास्कर Explainer वह सब कुछ जो आप जानना चाहते हैं

एक ही मूर्ति की दोनों दिन सवारी, महिलाएं रखती हैं दो दिन व्रत

सिटी पैलेस में तीज माता की एक ही मूर्ति की दो दिन शाही सवारी निकलती है। पहले दिन तीज माता और दूसरे दिन बूढ़ी तीज के नाम से उसी लवाजमे और ठाट बाट से नगर भ्रमण के लिए निकलती हैं। दोनों दिन महिलाएं व्रत रखती हैं। प्रो. विनोद शास्त्री का कहना है कि चौथ की सवारी व्रत पारण महिलाओं के दर्शनार्थ निकलती है। यह समय पर्व का समापन या वृद्धावस्था का समय होता है। इसी वजह से इसे बूढ़ी तीज कहते हैं।

- तीज का व्रत रखने वाली महिलाएं अगले दिन भी व्रत रखती हैं। दूसरा दिन समापन या पूर्णता का दिन होता है। चौथ के दिन भी यह पर्व उसी प्रकार लोकाचार का होता है जैसे तीज और गणगौर पर मनाया जाता है।
- ज्योतिष परिषद एवं शोध संस्थान अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पं. पुरुषोत्तम गौड़ के अनुसार बूढ़ी तीज के दिन व्रत करके गायों का पूजन करते हैं। सात गायों के लिए सात आटे की लोई बनाकर उन्हें खिलाया जाता है। फिर स्वयं भोजन करते हैं।

Publication	Rajasthan Patrika	Date	21/08/2023
Edition	Jaipur	Page No	7

#teejfestival मयूर नृत्य की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

शान से निकली बूढ़ी तीज माता की शाही सवारी

शहरवासियों और पर्यटकों ने किए तीज माता के दर्शन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. विभिन्न योग संयोगों में रविवार को त्रिपोलिया बाजार स्थित जनानी ड्योढी से चांदी की पालकी में बूढ़ी तीज माता की सवारी निकली। शाही लवाजमे के साथ निकली सवारी के दौरान कलाकारों ने कालबेलिया नृत्य सहित प्रदेश के विभिन्न लोकनृत्यों की प्रस्तुति दी। शहरवासियों ने तीज माता के दर्शन कर परिवार के लिए सुख-समृद्धि का वरदान मांगा। राधाकृष्ण की स्वरूप झांकी, मयूर नृत्य के साथ ही बैंड वादन की मधुर स्वरलहरियां खास रहीं।

छोटी चौपड़ सहित अन्य जगहों से होते हुए सवारी तालकटोरा पहुंची। यहां तीज माता को अर्घ्य देकर घेवर का भोग अर्पित किया। मार्ग में श्रद्धालुओं ने तीज माता की सवारी पर सिक्कों की उछाल की। छुट्टी का दिन होने के चलते विदेशी

त्रिपोलिया गेट से बाहर निकलती तीज माता की सवारी।

पर्यटकों के साथ ही ग्रामीण और स्थानीय लोग भी तीज माता के दर्शनों को उमड़ पड़े। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि कच्छी घोड़ी, गेर नृत्य, कठपुतली नृत्य तथा रावण हत्था व भपंग वादन की प्रस्तुति खास रही। बीकानेर से आए कलाकारों ने मशक वादन के साथ ही कठपुतली शो की प्रस्तुति दी। अली मोहम्मद, युसुफ व शमशाद सहित अन्य मुस्लिम कलाकारों ने रंगारंग प्रस्तुति से सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की।

कलाकारों ने रचाए स्वांग, नृत्य से राजस्थान की लोक संस्कृति को किया जीवंत...क्यूआर कोड स्कैन कर वीडियो देखें...

Publication	Times of India	Date	20/08/2023
Edition	All Rajasthan	Page No	3

DAY OF THE DIVINE SPECTACLE

Pics: Bhagirath

The traditional procession of Teej Mata goes through the streets of the Walled City on Saturday

Publication	Dainik Bhaskar	Date	20/08/2023
Edition	Jaipur	Page No	8

तीज • पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने चीनी बुर्ज की बजाय त्रिपोलिया गेट पर ही पूजा-अर्चना की

400 किलो चांदी की पालकी में नगर भ्रमण को निकलीं तीज माता

सिटी रिपोर्टर | जयपर

सिटी पैलेस से शनिवार को तीज माता की सवारी शाही लवाजमे के साथ निकाली गई। जनाना ड्योढी में परंपरागत रूप से पूर्व राजपरिवार की महिलाओं के साथ गौरवी कुमारी ने माता की पूजा की। इसके बाद ही सोने की आभूषण से सजी चांदी के रथ में तीज माता को नगर भ्रमण के लिए आगे बढ़ाया गया।

बैंड-बाजा, सजे हुए ऊंट-घोड़े और शाही लवाजमे के साथ तीज माता की सवारी त्रिपोलिया गेट पर पहुंची, जहां पर सबसे पहले पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाथ सिंह ने दर्शन कर प्रदेश के खुशहाली की कामना की और माता की आरती उतारी। तीज की सवारी में शामिल होने के लिए शहरवासियों के साथ बड़ी संख्या देशी-विदेशी पर्यटक भी परकोटे में पहुंचे।

वहीं पुराने परंपरा को बदलते हुए इस बार नई परंपरा शुरू की, जिसके तहत चीनी बुर्ज की बजाय त्रिपोलिया गेट पर ही राजपरिवार के सदस्यों ने पूजा-अर्चना कर नगर भ्रमण के लिए माता की सवारी को आगे बढ़ाया। उल्लेखनीय है कि चीनी बुर्ज के आसपास अतिक्रमण होने के कारण गणगौर माता की भी उन्होंने त्रिपोलिया गेट से ही दर्शन किए थे।

• पूर्व राजपरिवार की सदस्य गौरवी कुमारी ने जनाना डयोढ़ी में तीज माता की पारंपरिक पूजा-अर्चना की।

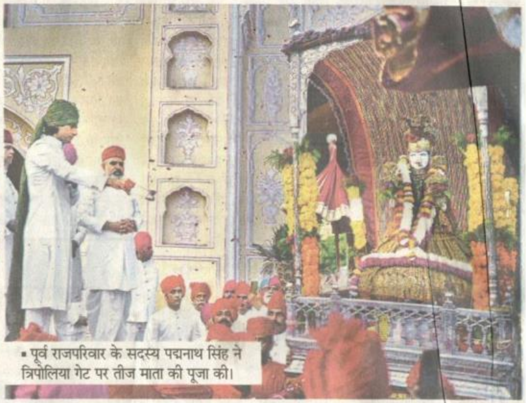

• पूर्व राजपरिवार के सदस्य पद्मनाथ सिंह ने त्रिपोलिया गेट पर तीज माता की पूजा की।

त्रिपोलिया गेट से तालकटोरा पहुंची माता की सवारी, 200 कलाकारों ने गाए गीत

त्रिपोलिया गेट से रवाना होते हुए तीज माता की सवारी छोटी चौपड़ पहुंची। इसके बाद आगे गणगौरी बाजार, चौगान स्टेडियम होते हुए तालकटोरा पहुंचकर संपन्न हुई। इस हरियाली तीज पर प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए 200 से अधिक कलाकारों ने लोकगीत गाते हुए माता की सवारी का स्वागत किया। इसमें कालबेलिया, बहरूपिया, मशक, कठपुतली नृत्य, कच्छी घोड़ी नृत्य के साथ बैंड-बाजा भी था। वहीं पर्यटन विभाग की ओर से विदेशी पावणों के लिए त्रिपोलिया गेट के सामने की छत पर बैठने की व्यवस्था की गई।

सवारी के बीच एंबुलेंस को दिया रास्ता

तीज माता की मूर्ति सिटी पैलेस में रहती है विराजमान

हरियाली तीज पर नगर भ्रमण पर तीज माता 400 किलो चांदी की पालकी में विराजमान होकर निकली। तीज माता की मूर्ति सिटी पैलेस में विराजमान रहती है। इसलिए सवारी निकालने से पहले सिटी पैलेस में पूर्व राजपरिवार की महिलाएं ही पूरे रीति-रिवाज के साथ माता की पूजा-अर्चना करती हैं। इसके बाद ही माता की पालकी को आगे बढ़ाएं जाने की परंपरा है, जिसे आज भी निभाया जा रहा है।

Publication	Rajasthan Patrika	Date	20/08/2023
Edition	Jaipur	Page No	2

#hariyaliteej राजधानी में कलाकारों ने बिखेरी राजस्थानी संस्कृति की छटा, लोक संगीत का रचा माधुर्य

जयकारों के बीच ठाठ-बाट से निकली तीज माता की सवारी

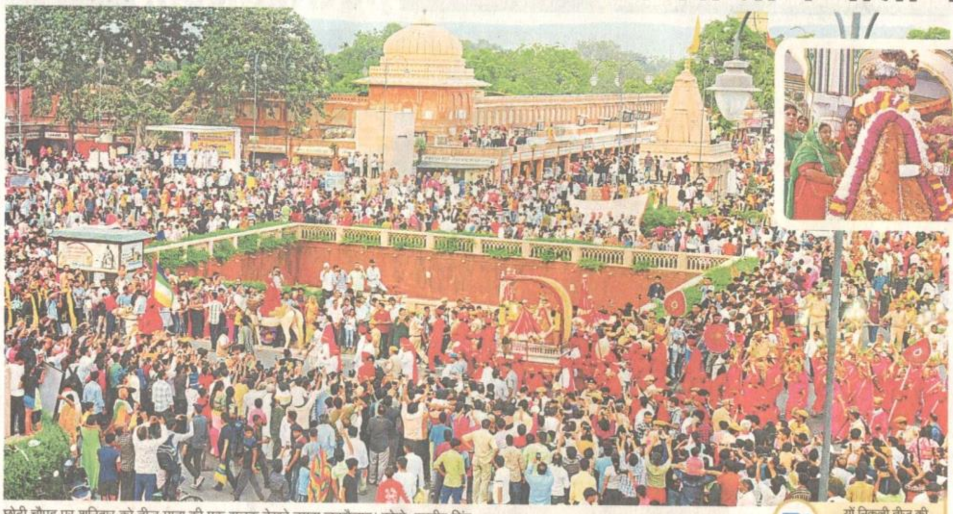

छोटी चौपड़ पर शनिवार को तीज माता की एक झलक देखने उमड़ा जनसैलाब। फोटो: रघुवीर सिंह

... यों निकली तीज की सवारी, देखें वीडियो....

पूर्व राजपरिवार की सदस्य गौरवी तीज माता की पूजा अर्चना करते हुए।

कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति देते कला

पल-पल को मोबाइल में कैद करते लोग।

Publication	First India	Date	10/08/2023
Edition	Jaipur	Page No	5

Padharo Mhare Des In Jpr, Udpr & Mt Abu entry only for those who have advance booking

Tourism boom in Rajasthan with 394% rise in domestic tourists

Nirmal Tiwari
Jaipur

The number of domestic tourists in Rajasthan has increased by 394% as compared to the previous years. The concept of tourist season is almost over in the state. The presence of tourists here throughout the year has kept Rajasthan tourism buzzing.

A long weekend from this week till 15 August has proved to be helpful in increasing the excitement of the tourists. The situation is such that at tourist places including Jaipur, Udaipur and Mount Abu, only those who have made advance booking will be able to get a place. There are neither vehicles nor stay places available at these tourist places.

"Tourists should make it their habit that whenever they ensure their tourist trip to any place, they should plan their trip before that because without planning you will not enjoy the journey," said Dalip S Rathore, Deputy Director of Tourism Dept. These days the Rajasthan Tourism department is making new circuits keeping the tourists in mind. The religious tourism has also increased a lot in the state because the Sarvadharma Sambhav pilgrimage circuit has been made to promote religious tourism in the state.

According to RATO President MS Rathore, a large number of domestic tourists are coming to Rajasthan these days. These days a large number of domestic tourists are present in Ranakpur, Sariska, Ranthambore, Udaipur, and Mount Abu, he said.

The condition of Udaipur is that advance bookings have been made not only for this long weekend but also till Dec.

Tourists throng Hawa Mahal in Jaipur on Wednesday. SUNIL SHARMA

Publication	Dainik Jagran	Date	10/08/2023
Edition	Rewa	Page No	9

गुलजार हुआ पर्यटन पधारो म्हारे देस... लेकिन अग्रिम बुकिंग करवाकर

राजस्थान में उदयपुर, माउन्ट आबू और जयपुर सहित अन्य पर्यटक स्थल हाऊसफुल

प्रदेश में घरेलु पर्यटकों की संख्या में 394 प्रतिशत की वृद्धि

जयपुर, जेएनएन। राजस्थान में घरेलु पर्यटकों की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में 394 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य में पर्यटन सीजन की अवधारणा लगभग खत्म हो चुकी है। यहां पर अब वर्ष पर्यन्त पर्यटक की मौजूदगी ने राजस्थान पर्यटन को गुलजार कर रखा है। इस सप्ताह से लेकर 15 अगस्त तक एक लंबा वीक एण्ड पर्यटकों के रोमांच को बढ़ाने में सहायक साबित हुआ है। आलम यह है कि जयपुर, उदयपुर और माउन्ट आबू सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर केवल अग्रिम बुकिंग करवाने वालों को ही जगह मिल सकेगी। इन पर्यटन स्थलों पर न तो वाहन उपलब्ध है और न होटल। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक दलीप सिंह राठौड़ का कहना है कि पर्यटकों को यह अपनी आदत बना लेनी चाहिए की जब भी वे किसी भी स्थान के लिए अपनी पर्यटन यात्रा सुनिश्चित करें तो इससे पहले वे अपनी यात्रा को प्लान करें क्योंकि बिना प्लानिंग के आपको यात्रा का आनंद नहीं मिल सकता। जहां तक राजस्थान की बात है कि राजस्थान पर्यटन इन दिनों पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए नए सर्किट बना रहा है। प्रदेश में इन दिनों धार्मिक पर्यटन बेहद बढ़ा है क्योंकि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सर्वधर्म सम्भाव तीर्थ सर्किट बनाया गया है। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) के आला पदाधिकारियों का मानना है कि राजस्थान में घरेलु पर्यटकों अग्रिम बुकिंग करवाने के बाद ही प्रदेश का रुख करना चाहिए अन्यथा उन्हें यहां आने के बाद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। राटो के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ के अनुसार राजस्थान में इन दिनों कर्नाटक (बेंगलूरु), पश्चिम बंगाल, गुजरात (सूरत व अहमदाबाद) सहित दिल्ली व दिल्ली (एनसीआर) व उत्तरप्रदेश से घरेलु पर्यटक खासी संख्या में आ रहे हैं, स्वतंत्रता दिवस तक एक लंबे वीक एण्ड ने पर्यटकों को मानो पंख लगा दिए हैं। महेंद्र सिंह के अनुसार वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के केंद्र सरिस्का (अलवर) व रणथम्भौर (सवाईमाधोपुर), उदयपुर, कुम्भलगढ़, माउन्ट आबू सहित रणकपुर में इन दिनों खासी संख्या में घरेलु पर्यटक मौजूद हैं। एक्सोटिक टूअर्स एण्ड ट्रेवल के निदेशक देवीपाल सिंह के अनुसार गुजरात से आने वाला पर्यटक माउन्ट आबू, उदयपुर, कुम्भलगढ़ के साथ ही पाली के जंवाई बांध और जंवाई लेपर्ड सेंचुरी की ओर रुख कर रहा है तो वहीं दिल्ली से राजस्थान का रुख करने वाले सरिस्का, रणथम्भौर, शेखावटी (झुंझुनू, मंडावा, अलसीसर, बीकानेर और चूरू) की ओर घूमने जा रहे हैं। वहीं जयपुर शहर से उदयपुर और रणकपुर के लिए लगातार बुकिंग हो रही हैं। उत्तर प्रदेश से आने वाला पर्यटक भरतपुर और दौसा (आभानेरी) सहित रणथम्भौर की ओर जा रहा है। दुनिया में सबसे पसंदीदा शहरों की सूची में दूसरा स्थान पाने वाले उदयपुर का आलम तो यह है कि उदयपुर में केवल इस लंबे वीक एण्ड ही नहीं दिसम्बर और जनवरी तक के लिए एडवांस बुकिंग हो चुकी है। उदयपुर को अपने ट्रेवल प्लान में शामिल करने से पहले पर्यटकों को राजस्थान पर्यटन सेवा केंद्र सहित होटल्स सहित ट्रेवल प्लानर के साथ पूरी प्लानिंग करने बाद ही यहां का रुख करना चाहिए। इन्ट्रेक्टेड टूअर टू इंडिया प्रा.लि. के निदेशक दिलीप सिंह चौहान के अनुसार पर्यटकों को अब राजस्थान आने से पहले ही अपने टूअर को वैलप्लान करना होगा, जिससे उनकी यात्रा सुखद रहे क्योंकि राजस्थान में अब महज पर्यटक स्थल पर पहुंचने से ही आपका मकसद पूरा नहीं होगा क्योंकि आपको होटल में रूम भी चाहिए, पर्यटक वाहन भी चाहिए जो अगर समय से उपलब्ध नहीं हो सके तो आपका मजा किरकिरा हो सकता है। चौहान के अनुसार ऐसा नहीं है कि राजस्थान में टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर में कमी है, ऐसा पर्यटक बिल्कुल नहीं सोचें क्योंकि अगर ऐसा होता तो कोरोना काल से लेकर अब तक राजस्थान में घरेलु और विदेशी पर्यटकों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि क्यों होती। चौहान का कहना है कि पर्यटक अगर अपने ट्रेवल को प्लान करके यात्रा करेंगे तो उनकी यात्रा का आनंद दो गुना हो जाएगा क्योंकि राजस्थान पर्यटन तो हमेशा अपने पर्यटकों को कहता है पधारो म्हारे देस... जो राजस्थान पर्यटन का स्लोगन भी है।

Publication	Punjab Kesari	Date	14/08/2023
Edition	All Rajasthan	Page No	11

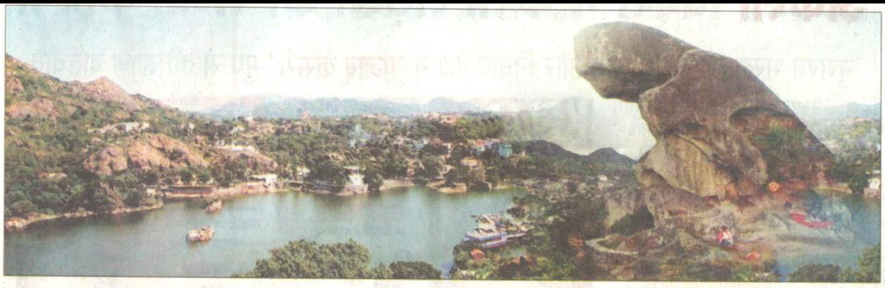

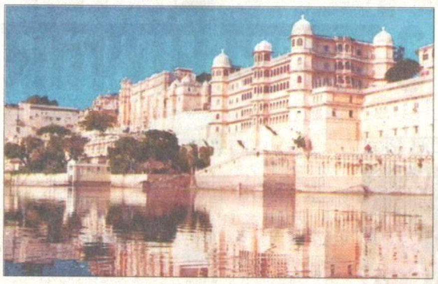

पधारो म्हारे देस... लेकिन अग्रिम बुकिंग करवाकर

प्रदेश में घरेलू पर्यटकों की संख्या में 394% की वृद्धि

- राजस्थान में लंबे वीक एंड के कारण उदयपुर, माउंट आबू और जयपुर सहित अन्य पर्यटक स्थल हाऊसफुल
- नई दिल्ली, एनसीआर, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं राजस्थान

राजस्थान में घरेलू पर्यटकों की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में 394 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। राज्य में पर्यटन सीजन की अवधारणा लगभग खत्म हो चुकी है। यहां पर अब वर्ष पर्यन्त पर्यटक की मौजदूगी ने राजस्थान पर्यटन को गुलजार कर रखा है। इस सप्ताह से लेकर 15 अगस्त तक एक लंबा वीक एंड पर्यटकों के रोमांच को बढ़ाने में सहायक साबित हुआ है। आलम यह है कि जयपुर, उदयपुर और माउंट आबू सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर केवल अग्रिम बुकिंग करवाने वालों को ही जगह मिल रही है। इन पर्यटन स्थलों पर न तो वाहन उपलब्ध हैं और न होटल। पर्यटन विभाग के उपनिदेशक दलीप सिंह राठौड़ का कहना है कि पर्यटकों को अपनी आदत बना लेनी चाहिए कि जब भी वे किसी भी स्थान के लिए अपनी पर्यटन यात्रा सुनिश्चित करें तो पहले वे अपनी यात्रा को प्लान करें। जहां तक राजस्थान की बात है, राजस्थान पर्यटन पर्यटकों को ध्यान में रखते हुए नए सर्किट बना रहा है। प्रदेश में इनदिनों धार्मिक पर्यटन बेहद बढ़ा है, क्योंकि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सर्वधर्म सम्भाव तीर्थ सर्किट बनाया गया है।

राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूअर ऑपरेटर्स (राटो) के आला पदाधिकारियों का भी मानना है कि राजस्थान में घरेलू पर्यटकों को अग्रिम बुकिंग करवाने के बाद ही प्रदेश का रुख करना चाहिए, अन्यथा यहां आने के बाद परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। राटो के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ के अनुसार राजस्थान में इनदिनों कर्नाटक (बेंगलूरू), पश्चिम बंगाल, गुजरात (सूरत व अहमदाबाद) सहित दिल्ली व दिल्ली (एनसीआर) व उत्तरप्रदेश से घरेलू पर्यटक खासी संख्या में आ रहे हैं, स्वतंत्रता दिवस तक एक लंबे वीक एंड ने पर्यटकों को मानो पंख लगा दिए हैं। वाइल्ड लाइफ टूरिज्म के केंद्र सरिस्का (अलवर) व रणथम्भौर (सवाईमाधोपुर), उदयपुर, कुंभलगढ़, माउंट आबू सहित रणकपुर में इनदिनों खासी संख्या में घरेलू पर्यटक मौजूद हैं। एक्सोटिक टूअर्स एंड ट्रेवल के निदेशक देवीपाल सिंह के अनुसार गुजरात से आने वाला पर्यटक माउंट आबू, उदयपुर, कुंभलगढ़ के साथ ही पाली के जंवाई बांध और जंवाई लेपर्ड सेंचुरी की ओर रूख कर रहा है तो दिल्ली से राजस्थान का रुख करने वाले सरिस्का, रणथंभौर, शेखावाटी झुंझुनू, मंडावा, अलसीसर, बीकानेर और चूरू) की ओर घूमने जा रहे हैं। वहीं जयपुर शहर से उदयपुर और रणकपुर के लिए लगातार बुकिंग हो रही हैं। उत्तर प्रदेश से आने वाला पर्यटक भरतपुर और दौसा (आभानेरी) सहित रणथंभौर की ओर जा रहा है।

दुनिया में सबसे पसंदीदा शहरों की सूची में दूसरा स्थान पाने वाले उदयपुर का आलम तो यह है कि उदयपुर में केवल इस लंबे वीक एंड ही नहीं, दिसंबर और जनवरी तक के लिए एडवांस बुकिंग हो चुकी हैं। उदयपुर को अपने ट्रेवल प्लान में शामिल करने से पहले पर्यटकों को राजस्थान पर्यटन सेवा केंद्र व होटल्स सहित ट्रेवल प्लानर के साथ पूरी प्लानिंग करने बाद ही यहां का रुख करना चाहिए। इन्ट्रेक्टेड टूअर टू इंडिया के निदेशक दिलीप सिंह चौहान के अनुसार पर्यटकों को अब राजस्थान आने से पहले ही अपने टूअर को वैल प्लान करना होगा, जिससे उनकी यात्रा सुखद रहे। क्योंकि राजस्थान में अब महज पर्यटक स्थल पर पहुंचने से ही आपका मकसद पूरा नहीं होगा। आपको होटल में रूम भी चाहिए, पर्यटक वाहन भी चाहिए, जो अगर समय से उपलब्ध नहीं हो सके तो आपका मजा किरकिरा हो सकता है। चौहान के अनुसार ऐसा नहीं है कि राजस्थान में टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर में कमी है, ऐसा पर्यटक बिल्कुल नहीं सोचें। क्योंकि अगर ऐसा होता तो कोरोना काल से लेकर अब तक राजस्थान में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में बेहतहाशा वृद्धि क्यों होती। इसलिए पर्यटक अगर अपने ट्रेवल को प्लान करके यात्रा करेंगे तो उनकी यात्रा का आनंद दोगुना हो जाएगा।